पाठ - 3 नादान दोस्त

कठिन शब्द :

1. कार्निस
2. जिज्ञासा
3. तकलीफ़
4. घोंसले
5. प्रस्ताव
6. स्वीकृत
7. छड़ियाँ
8. स्कूल
9. मुश्किल
10. हिफ़ाज़त

शब्दार्थ

1. कार्निस - दीवार के ऊपर का बड़ा भाग
2. पेचीदा - मुश्किल
3. जिज्ञासा - जानने की इच्छा
4. अधीर - उतावला
5. प्रस्ताव - सुझाव
6. आँख बचाकर - नजरों को बचाकर
7. उधेड़ बुन - सोच-विचार
8. हिकमत - उपाय
9. चीथड़े - पुराने कपड़े
10. चेहरे का रंग उड़ जाना - घबरा जाना
11. भीगी बिल्ली बनना - डरा हुआ

5/7/2020

पाठ - 3 नादान दोस्त

लघु प्रश्नोत्तर

प्र०1 अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में किस तरह के सवाल उठते थे?

उत्तर अंडों के बारे में केशव और श्यामा के मन में तरह-तरह के सवाल उठते थे। अंडे कैसे होंगे? कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल आएँगे?

प्र०2 वे आपस में सवाल-जवाब करके दिल को तसल्ली क्यों दे दिया करते थे?

उत्तर वे अंडों के बारे में जानना चाहते थे। लेकिन कोई जवाब देनेवाला नहीं था तो आपस में सवाल-जवाब करके दिल को तसल्ली दे दिया करते थे।

प्र०3 केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कॉर्निस पर क्यों रखे थे?

उत्तर अंडों को बचाने के लिए केशव ने श्यामा से चिथड़े, टोकरी और दाना-पानी मँगाकर कॉर्निस पर रखे थे।

प्र०4 केशव और श्यामा ने चिड़िया के अंडों की रक्षा की या नादानी?

उत्तर चिड़िया अपने अंडो की रक्षा स्वयं करती थी।

पाठ 3

दीर्घ प्रश्नोत्तर :

प्र०1. केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में क्या-क्या अनुमान लगाए? यदि उस जगह तुम होते तो क्या अनुमान लगाते और क्या करते?

उत्तर केशव और श्यामा ने अंडों के बारे में तरह-तरह के अनुमान लगाए। अंडे कितने बड़े होंगे? किस रंग के होंगे? कितने होंगे? उनमें से बच्चे किस तरह निकल कर बाहर आएंगे? यदि उस जगह हम होते तो हमारे माता-पिता से पूछकर सही बात का पता लगाते।

प्र०2 माँ के सोते ही समय केशव और श्यामा दोपहर में बाहर क्यों निकल आए? माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण क्यों नहीं बताया?

उत्तर माँ के सोते ही केशव और श्यामा दोपहर में चिड़िया के अंडों के लिए टोकरी और दाना-पानी रखने बाहर निकल आए। पिटाई के डर से माँ के पूछने पर भी दोनों में से किसी ने किवाड़ खोलकर दोपहर में बाहर निकलने का कारण नहीं बताया।

प्र०3 प्रेमचंद ने इस कहानी का नाम 'नादान दोस्त' रखा। तुम इसे क्या शीर्षक देना चाहोगे?

उत्तर हम इस कहानी का शीर्षक 'नादान बचपन' देना चाहेंगे।

Date
18/7/2020

भाषा की बात अभ्यास कार्य

★ गुणवाचक विशेषण लिखो और उनसे वाक्य बनाओ –

1. सुंदर माला – नेहा के गले में सुंदर माला थी।

2. लाल गुलाब – पूजा के लिए लाल गुलाब का हार बना दो।

3. गरीब लड़की – लड़की ठंड से काँप रही थी।

4. दयालु सेठ – सोहन की मदद एक दयालु सेठ ने की।

★ क्रिया विशेषणों का वाक्यों में प्रयोग करो –

1. झुंझलाकर – अमर ने गुस्से में खिलौने झुंझलाकर फेंक दिए

2. बनाकर – माँ ने मुझे मोतीचूर के लड्डू बनाकर दिए

3. घबराकर – राज अक्सर घबराकर झूठ बोल देता है

4. टिकाकर – लड़के ने अपने ठेले को दीवार से टिकाकर रखा

5. गिड़गिड़ाकर – मंदिर के पास एक भिखारी गिड़गिड़ाकर भीख माँग रहा था।